लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 11.10.2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 1-5

पहल• एचएयू की कार्यशाला में वैज्ञानिकों और प्रदेश के सभी जिलों से किसान कल्याण विभाग के कृषि अधिकारियों ने लिया हिस्सा

वर्तमान समय में फसल पैदावार पर केंद्रित न रहकर कृषि उत्पाद को बाज़ार से सीधे तौर पर जोड़ने की है आवश्यकता: प्रो. केपी सिंह

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के सभागार में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा प्रदेश के सभी जिलों से राज्य कृषि और किसान कल्याण विभाग के कृषि अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में चर्चा की गई। कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच और सहयोग से आगे बढने का आह्वान किया।

प्रो. सिंह ने कृषि को लाभकारी बनाने के लिए केवल कृषि उत्पादन पर केंद्रित न रहकर कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। एचएयू ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है और कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बहु-उद्यमियता व स्टार्ट-अप के लिए युवाओं, किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किया है। कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने व हरियाणा के किसानों के उत्पाद को एनसीआर से जोड़ने के लिए शीघ्र ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक कॉलेज ऑफ एग्रीप्रीन्योर एंड बिजनेस मैनेजमेंट भी शुरू किया जाएगा।

कार्यशाला में उपस्थित कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य अधिकारीगण।

कुलपति ने उपरोक्त कृषि अधिकारी कार्यशाला में अधिकारियों की भागीदारी को बढ़ाने और इसे और ज्यादा उपयोगी बनाए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू करती है जिनका ज्यादा फायदा किसानों को उठाना चाहिए। कृषि और किसान कल्याण विभाग एचएयू के साथ सहयोग करने के लिए विचार कर सकता है।

इस अवसर पर अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी स्कीमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य में कपास फसल में गुलाबी सुंडी, गेहूं में खरपतवार नाशकों के प्रति सहनशीलता तथा पीला रतुआ व करनाल बंट, अच्छी गुणवत्ता के बीज व अन्य आदान, फसल अवशेष प्रबंधन की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019-20 के लिए फसल विविधिकरण में धान की जगह मक्का बिजाई लक्ष्य के लिए अलग से प्रावधान किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि स्कीमों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

इससे पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने फसलों की पैदावार तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए निदेशालय के तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों, विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी, साइना नेहवाल कृषि प्रशिक्षण संस्थान, फार्म सूचना एवं संचार सेवा द्वारा प्रदेश में वर्ष 2018-19 में आयोजित किए विस्तार कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....हरि. भूमि....
दिनांक...11.10.2019... पृष्ठ सं....14.... कॉलम....2-6....

हकृवि में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ

कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की आवश्यकता : सिंह

- कहा, कृषि को लाभकारी बनाने के लिए विवि द्वारा प्रकाशित समग्र सिफारिशें किसानों तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि स्कीमों के बारे में विस्तार से चर्चा की

हिसार। हकृवि में कार्यशाला में मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ›› हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा प्रदेश के सभी जिलों से राज्य कृषि और किसान कल्याण विभाग के कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच और सहयोग से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कॉलेज ऑफ एग्रीप्रेन्योर एंड बिजनेस मैनेजमेंट शुरू होगा

प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए केवल कृषि उत्पादन पर केन्द्रित न रहकर कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। हकृवि ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है और कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बहु-उद्यमियता व स्टार्ट-अप के लिए युवाओं, किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर स्थापित किया है।

कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने व हरियाणा के किसानों के उत्पाद को एनसीआर से जोड़ने के लिए शीघ्र ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक कालेज ऑफ एग्रीप्रीन्योर एण्ड बिजनेस मैनेजमैंट भी शुरू किया जाएगा।

कृषि अधिकारी स्वयं को शोध से जोड़े रखें

कुलपति ने कृषि अधिकारी कार्यशाला में अधिकारियों की भागीदारी को बढ़ाने और इसे और ज्यादा उपयोगी बनाए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा केन्द्र और राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू करती है जिनका ज्यादा से ज्यादा फायदा किसानों को उठाना चाहिए। कृषि को लाभकारी बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित समग्र सिफारिशें किसानों तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसमें कृषि अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते है। उन्होंने कहा कृषि अधिकारियों को सामान्य कामकाज के साथ-साथ स्वयं को अनुसंधान से भी जोड़े रखना चाहिए। इस दिशा में कृषि और किसान कल्याण विभाग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने के लिए विचार कर सकता है।

कृषक हितैषी स्कीमों पर चर्चा की

इस अवसर पर अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी स्कीमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य में कपास फसल में गुलाबी सुंडी, गेंहू में खरपतवार नाशकों के प्रति सहनशीलता तथा पीला रतुआ व करनाल बंट, अच्छी गुणवत्ता के बीज व अन्य आदान, फसल अवशेष प्रबंधन की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019-20 के लिए फसल विविधिकरण में धान की जगह मक्का बिजाई लक्ष्य के लिए अलग-से प्रावधान किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि स्कीमों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

हुड्डा ने विस्तार कार्यक्रमों की रिपोर्ट पेश की

इससे पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने फसलों की पैदावार तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए निदेशालय के तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों, विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी, साइना नेहवाल कृषि प्रशिक्षण संस्थान, फार्म सूचना एवं संचार सेवा द्वारा प्रदेश में वर्ष 2018-19 में आयोजित किए गए विस्तार कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर सहनिदेशक (कृषि परामर्श सेवा) डॉ. एच.एस. सहारण ने मंच का संचालन व अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 11.10.2019 पृष्ठ सं 5 कॉलम 6.8

हकृवि की सिफारिशें किसानों तक पहुंचाना बेहद जरूरी : प्रो. सिंह

कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच से आगे बढ़ने का किया आह्वान

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में आयोजित वर्कशॉप में संबोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और प्रदेश के सभी जिलों से राज्य कृषि और किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच और सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए केवल कृषि उत्पादन पर केंद्रित न रहकर कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। हकृवि ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है और कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बहु-उद्यमिता व स्टार्ट-अप के लिए युवाओं, किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किया है। कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने व हरियाणा के किसानों के उत्पाद को एनसीआर से जोड़ने के लिए शीघ्र ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक कॉलेज ऑफ एग्रीप्रीन्योर एंड बिजनेस मैनेजमेंट भी शुरू किया जाएगा। कुलपति ने उपरोक्त कृषि अधिकारी कार्यशाला में अधिकारियों की भागीदारी को बढ़ाने तथा इसे और ज्यादा उपयोगी बनाए जाने पर बल दिया।

कृषि को लाभकारी बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित समग्र सिफारिशें किसानों तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी स्कीमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने फसलों की पैदावार और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए निदेशालय के तहत कृषि विज्ञान केंद्रों, विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी, साइना नेहवाल कृषि प्रशिक्षण संस्थान, फार्म सूचना एवं संचार सेवा द्वारा प्रदेश में वर्ष 2018-19 में आयोजित किए गए विस्तार कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 11:10:2019 पृष्ठ सं 4 कॉलम 1-2

कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की जरूरत : प्रो. सिंह

मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य अधिकारीगण।

हिसार, 10 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में 2 दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा प्रदेश के सभी जिलों से राज्य कृषि और किसान कल्याण विभाग के कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच और सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए केवल कृषि उत्पादन पर केन्द्रित न रहकर कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है और कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बहु-उद्यमियता व स्टार्ट-अप के लिए युवाओं, किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर स्थापित किया है। कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने व हरियाणा के किसानों के उत्पाद को एन.सी.आर. से जोड़ने के लिए शीघ्र ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक कालेज ऑफ एग्रीप्रीन्योर एंड बिजनेस मैनेजमैंट भी शुरू किया जाएगा।

कुलपति ने उपरोक्त कृषि अधिकारी कार्यशाला में अधिकारियों की भागीदारी को बढ़ाने और इसे और ज्यादा उपयोगी बनाए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा केन्द्र और राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू करती है जिनका ज्यादा से ज्यादा फायदा किसानों को उठाना चाहिए।

कृषि को लाभकारी बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित समग्र सिफारिशे किसानों तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें कृषि अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 11.10.2019 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 3-6

एमओयू से शोध में मिलेगी मदद

फंडिंग एजेंसियों से ग्रांट मिलने के रास्ते भी खुलेंगे

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआइआरबी), दोनों शिक्षण संस्थानों के छात्र अब एक साथ रिसर्च कर सकेंगे। दोनों ही संस्थानों ने गुरुवार को एक एमओयू साइन किया। इसके तहत एचएयू में पढ़ने वाले छात्र जो जूलॉजी, माइक्रोबॉयोलोजी, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, एक्सटेंशन प्रोजेक्ट पर पर रिसर्च तो करते हैं मगर सीआइआरबी का साथ मिलेगा तो वह वहां की लैब व उपकरणों की मदद से अपने काम को आसान बना सकते हैं। क्योंकि एक संस्थान कृषि आधारित रिसर्च करता है तो दूसरा भैंस व अन्य जानवरों पर काम करता है। कृषि और पशुपालन एक दूसरे से जुड़े हुए विषय हैं।

अधिकारियों ने किए एमओयू पर हस्ताक्षर : इस एमओयू से छात्रों को तो मदद मिलेगी, साथ ही वैज्ञानिकों को भी फायदा होगा। दोनों ही संस्थानों के वैज्ञानिक आपसी समन्वय से कई प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं और उन्हें विभिन्न एजेंसियों से फंडिंग मिलने में भी आसानी रहेगी। एमओयू साइन करते समय एचएयू से कुलपति प्रो. केपी सिंह व सीआइआरबी से निदेशक डा. एसएस दहिया और मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा.. एमएस सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए।

सुविधा

- एचएयू के छात्र व वैज्ञानिक सीआइआरबी के साथ मिलकर रिसर्च कर सकेंगे
- दोनों ही संस्थानों के वैज्ञानिक समन्वय के साथ कई प्रोजेक्ट पर करेंगे कार्य

यह मिलेगा फायदा

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के कौशल विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों जैसे मूल्यवृधित दूध उत्पादों, फलों, सब्जियों, मशरूम उत्पादन, सिलाई, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, अनाज के मूल्य संवर्धन जैसी योजनाओं में नियमित रूप से प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। इन प्रशिक्षणों के संचालन व सर्वोत्तम सेवाएं प्रदत्त करने में विश्वविद्यालय सीआइआरबी को सहयोग प्रदान करेगा। इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय इन प्रशिक्षणों का आयोजन करने के लिए विशेषज्ञ, जगह, के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा जबकि सीआइआरबी इन प्रशिक्षणों में होने वाले खर्चे को वहन करेगा। उम्मीदवारों की सूची और प्रशिक्षण के कार्यक्रम को विवि का सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र अंतिम रूप देंगे।

कृषि उत्पादों को सीधे बाजार से जोड़ने की जरूरत : प्रो. सिंह

संबोधित करते कुलपति व अन्य अधिकारीगण।

जासं,हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा प्रदेश के सभी जिलों से राज्य कृषि और किसान कल्याण विभाग के कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच और सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए केवल कृषि उत्पादन पर केन्द्रित न रहकर कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की आवश्यकता है।

प्रो. केपी सिंह।

योजनाओं की जानकारी दी

अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितेषी स्कीमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में कपास फसल में गुलाबी सुंडी, गेंहू में खरपतवार नाशकों के प्रति सहनशीलता तथा पीला रतुआ व करनाल बंट, अच्छी गुणवत्ता के बीज व अन्य आदान, फसल अवशेष प्रबंधन की जरूरत है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019-20 के लिए फसल विविधिकरण में धान की जगह मक्का बिजाई लक्ष्य के लिए अलग से प्राविधान किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि स्कीमों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 11.10.2019 पृष्ठ सं 7 कॉलम 1-3

एचएयू और केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र कौशल विकास के कार्यक्रम पर मिलकर करेंगे काम

समझौते पर किए हस्ताक्षर, किसानों और विज्ञान समुदाय के सदस्यों को देंगे बढ़ावा

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अंतर्गत केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य किसानों व विज्ञान समुदाय के सदस्यों के लिए कौशल विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र की तरफ से संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एस. दहिया और विश्वविद्यालय की तरफ से निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन डॉ. एम.एस.सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किये।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि विवि अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के कौशल विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों जैसे मूल्यवृधित दूध उत्पादों, फलों, सब्जियों, मशरूम उत्पादन, सिलाई, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, अनाज के मूल्य संवर्धन जैसी योजनाओं में नियमित रूप से प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। विवि के वैज्ञानिकों को इस तरह के प्रशिक्षण के आयोजन में विशेषज्ञता हासिल है। इन प्रशिक्षणों के संचालन व सर्वोत्तम सेवाएं प्रदत्त करने में विवि सीआईआरबी को सहयोग प्रदान करेगा। इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय इन प्रशिक्षणों का आयोजन करने के लिए विशेषज्ञ, जगह, के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा जबकि सीआईआरबी इन प्रशिक्षणों में होने वाले खर्चे का वहन करेगा। उम्मीदवारों की सूची और प्रशिक्षण के कार्यक्रम को विश्वविद्यालय का सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र संयुक्त रूप से अंतिम रूप देंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है, ताकि इसकी शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके तथा इस समझौते के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. वीपी दीक्षित, विश्वविद्यालय के ओएसडी, कुलसचिव, सभी डीन-डायरेक्टर, अधिकारी और वैज्ञानिक मौजूद रहे।

एमओयू के दौरान एचएयू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 11.10.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 1-3

कौशल विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए

हकृवि ने सी.आई.आर.बी. के साथ किया समझौता

हिसार, 10 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सी.आई.आर.बी.) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। इस एम.ओ.यू. का मुख्य उद्देश्य किसानों व विज्ञान समुदाय के सदस्यों के लिए कौशल विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह की उपस्थिति में केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र की तरफ से संस्थान के निदेशक डा. एस.एस. दहिया और विश्वविद्यालय की तरफ से निदेशक, मानव संसाधन प्रबंधन, डा. एम.एस. सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए।

एम.ओ.यू. के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह व अन्य।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के कौशल विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों जैसे मूल्यवृधित दूध उत्पादों, फलों, सब्जियों, मशरूम उत्पादन, सिलाई, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, अनाज के मूल्य संवर्धन जैसी योजनाओं में नियमित रूप से प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को इस तरह के प्रशिक्षण के आयोजन में विशेषज्ञता हासिल है। इन प्रशिक्षणों के संचालन व सर्वोत्तम सेवाएं प्रदत्त करने में विश्वविद्यालय सी.आई.आर.बी. को सहयोग प्रदान करेगा। इस एम.ओ.यू. के तहत विश्वविद्यालय इन प्रशिक्षणों का आयोजन करने के लिए विशेषज्ञ, जगह, के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा जबकि सी.आई.आर.बी. इन प्रशिक्षणों में होने वाले खर्चे का वहन करेगा।

उम्मीदवारों की सूची और प्रशिक्षण के कार्यक्रम को विश्वविद्यालय का सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र संयुक्त रूप से अंतिम रूप देंगे। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके तथा इस समझौते के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रमुख वैज्ञानिक डा. वी.पी. दीक्षित, विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी., कुलसचिव, सभी डीन-डायरैक्टर, अधिकारी और वैज्ञानिक उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक 11.10.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 4-8

एचएयू ने केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र के साथ किया एमओयू

किसानों और विज्ञान समुदाय के सदस्यों के लिए कौशल विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने का किया जाएगा काम

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र (सीआईआरबी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य किसानों व विज्ञान समुदाय के सदस्यों के लिए कौशल विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र की तरफ से संस्थान निदेशक डॉ. एसएस दहिया और विश्वविद्यालय की तरफ से निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के कौशल विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों जैसे मूल्यवृद्धि दूध उत्पादों, फलों, सब्जियों, मशरूम उत्पादन, सिलाई, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, अनाज के मूल्य संवर्धन जैसी योजनाओं में नियमित रूप से प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को इस तरह के प्रशिक्षण के आयोजन में विशेषज्ञता हासिल है।

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

इन प्रशिक्षणों के संचालन व सर्वोत्तम सेवाएं प्रदत्त करने में विश्वविद्यालय सीआईआरबी को सहयोग प्रदान करेगा। इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय इन प्रशिक्षणों का आयोजन करने के लिए विशेषज्ञ, जगह, के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा जबकि सीआईआरबी इन प्रशिक्षणों में होने वाले खर्चे का वहन करेगा। उम्मीदवारों की सूची और प्रशिक्षण के कार्यक्रम को विश्वविद्यालय का सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र संयुक्त रूप से अंतिम रूप देंगे।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके तथा इस समझौते के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ेंगे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....हरि. भूमि....

दिनांक ..11.10.2019.... पृष्ठ सं ....13.... कॉलम ....3-6....

हकृवि व सीआईआरबी में करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अंतर्गत केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य किसानों व विज्ञान समुदाय के सदस्यों के लिए कौशल विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देना

■ प्रशिक्षण शिविरों में हकृवि करेगा सीआईआरबी का सहयोग

है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र की तरफ से संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस दहिया और विश्वविद्यालय की तरफ से निदेशक, मानव संसाधन प्रबंधन, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर

हिसार। एमओयू के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

किए। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के कौशल विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों जैसे मूल्यवृधित दूध उत्पादों, फलों, सब्जियों, मशरूम उत्पादन, सिलाई, जैविक खेती, मधुमक्खी पालन, अनाज के मूल्य संवर्धन जैसी योजनाओं में नियमित रूप से प्रशिक्षण का आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को इस तरह के प्रशिक्षण के आयोजन में विशेषज्ञता हासिल है। इन प्रशिक्षणों के संचालन व सर्वोत्तम सेवाएं प्रदत्त करने में विश्वविद्यालय सीआईआरबी को सहयोग प्रदान करेगा।

प्रशिक्षणों में बुनियादी सुविधाएं देगा हकृवि

इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय इन प्रशिक्षणों का आयोजन करने के लिए विशेषज्ञ, जगह, के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा जबकि सीआईआरबी इन प्रशिक्षणों में होने वाले खर्चे का वहन करेगा। उम्मीदवारों की सूची और प्रशिक्षण के कार्यक्रम को विश्वविद्यालय का सायना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र संयुक्त रूप से अंतिम रूप देंगे। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान के साथ सहयोग की प्रक्रिया शुरू की है ताकि इसकी शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके तथा इस समझौते के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. वीपी दीक्षित, विश्वविद्यालय के ओएसडी, कुलसचिव, सभी डीन-डायरेक्टर तथा अधिकारी मौजूद थे।